रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 216] नई दिल्ली, बुधवार, जून 19, 2019/ज्येष्ठ 29, 1941
No. 216] NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 19, 2019/JYAISTHA 29, 1941

होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 जून, 2019

सं. 12–13/2006–के हो प(पार्ट–VI).—होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद् अधिनियम, 1973 (1973 का 59 वाँ) की धारा 33 की उपधारा (1) के खण्ड (झ) (ञ) (ट) और धारा 20 की उपधारा (1) के साथ पठित, द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय होम्योपैथी परिषद्, केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी से, होम्योपैथी (डिग्री पाठ्यक्रम) विनियम, 1983 में आगे संशोधन हेतु निम्न विनियम बनाती है, अर्थातः–

1. (i) इन विनियमों को होम्योपैथी (डिग्री पाठ्यक्रम) संशोधन विनियम, 2019 कहा जाएगा ।

(ii) ये सरकारी राजपत्र प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

(iii) ये विनियम उन छात्रों पर लागू होंगे जो कि बी.एच.एम.एस. पाठ्यक्रम में शैक्षणिक सत्र 2019–2020 से प्रारंभ होने वाले सत्र में प्रवेशित होंगे।

2. होम्योपैथी (डिग्री पाठ्यक्रम) संशोधन विनियम, 1983 (यहाँ इसके पश्चात उक्त विनियम से संदर्भित) विनियम "4अ के लिए निम्न को प्रतिस्थापित किया जाएगाः–

"4अ छात्रों के चुनाव की पात्रताः–

(i) स्नातक स्तर पर सभी आयुर्विज्ञान संस्थानों के लिए एक सामूहिक प्रवेश परीक्षा होगी, अर्थात् प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय योग्यता प्रवेशपरीक्षा (एन.ई.ई.टी) तथा यह केन्द्र सरकार द्वारा नामित प्राधिकारी द्वारा आयोजित की जायेगी।

(ii) एक शैक्षणिक वर्ष में स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश की पात्रता हेतु अभ्यर्थी को उस शैक्षणिक वर्ष हेतु आयोजित स्नातक पाठ्यक्रम के लिए राष्ट्रीय योग्यता प्रवेश परीक्षा में न्यूनतम 50वॉ प्रतिशतक अंक प्राप्त करना आवश्क होगा।

परन्तु निम्न के लिएः–

(क) अनुसूचित जातियों, अनूसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों के अभ्यर्थी के लिए न्यूनतम अंक 40वॉ प्रतिशतक होंगे।

(ख) दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 (2016 का 49) के अधीन विनिर्दिष्ट बेंचमार्क विकलांगता वाले अभ्यर्थियों के मामले में सामान्य श्रेणी हेतु न्यूनतम अंक 45वॉ प्रतिशतक, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछडा वर्ग हेतु न्यूनतम अंक 40वॉ प्रतिशतक होंगे।

टिप्पणी:– मूल विनियमों को भारत के असाधरण राजपत्र, भाग–III खण्ड 4, में सं. 7–1/83/के.हो.प. दिनांक 11 मई, 1983 तथा अंतिम् अधिसूचना संख्या 12–13/2006–के.हो.प.(पार्ट–V) दिनांक 14 दिसंबर, 2018 द्वारा प्रकाशित किया गया था ।

[यदि होम्योपैथी (डिग्री पाठ्यक्रम) संशोधन विनियम, 2019 के हिन्दी/अंग्रेजी संस्करण में कोई कमी पाई जाती है तो अंग्रेजी संस्करण को अंतिम माना जाएगा।]

CENTRAL COUNCIL OF HOMOEOPATHY

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th June, 2019

No. 12-13/2006-CCH(Pt.VI).— In exercise of the powers conferred by clauses (i), (j) and (k) of sub-section (1) of section 33 read with sub-section (1) of section 20 of the Homoeopathy Central Council Act, 1973 (59 of 1973), the Central Council of Homoeopathy, with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following regulations further to amend the Homoeopathy (Degree Course) Regulations, 1983, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Homoeopathy (Degree Course) Amendment Regulations, 2019.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(3) These regulations shall apply to students who shall be admitted for B.H.M.S. course from the commencement of the academic session (2019-2020).

2. In the Homoeopathy (Degree Course) Regulations, 1983 (hereinafter referred to as the said regulations), the regulation 4A, shall be substituted, namely:-

"4A. Criteria for Selection of students - (i) There shall be a uniform entrance examination to all medical institutions at the under-graduate level, namely, the 'National Eligibility Entrance Test' (NEET) for admission to under-graduate course in each academic year and shall be conducted by an authority designated by the Central Government.

(ii) In order to be eligible for admission to under-graduate course for an academic year, it shall be necessary for a candidate to obtain minimum of marks at 50^{th} percentile in the 'National Eligibility Entrance Test' for under-graduate course held for the said academic year:

Provided that in respect of-

(a) candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and Other Backward Classes, the minimum marks shall be at 40^{th} percentile.

(b) candidates with benchmark disabilities specified under the Rights of Persons with Disabilities Act, 2016 (49 of 2016), the minimum marks shall be at 45^{th} percentile for general category and 40^{th} percentile for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and Other Backward Classes.

Explanation.—The percentile shall be determined on the basis of highest marks secured in the all India common merit list in the 'National Eligibility Entrance Test' for under-graduate courses:

Provided further that when sufficient number of candidates in the respective categories fail to secure minimum marks in the 'National Eligibility Entrance Test', as specified above, held for any academic year for admission to under-graduate courses, the Central Government in consultation with Central Council may at its discretion lower the minimum marks required for admission to under-graduate course for candidates belonging to respective categories and marks so lowered by the Central Government shall be applicable for that academic year only.

(c) five percent of the annual sanctioned intake capacity in Government or Government-aided higher educational institutions shall be filled up by candidates with benchmark disabilities in accordance with the provisions of the Rights of Persons with Disabilities Act, 2016 (49 of 2016), based on the merit list of 'National Eligibility-cum-Entrance Test'.

Explanation.— For this purpose the "Specified Disability" contained in the Schedule to the Rights of Persons with Disabilities Act, 2016 (49 of 2016), is annexed in Annexure 'C' and the eligibility of candidates to pursue a course in homoeopathic medicine with specified disability shall be in accordance with Annexure 'D' and if the seats reserved for the persons with disabilities in a particular category remain unfilled on account of unavailability of candidates, the seats shall be included in the annual sanctioned seats for the respective Category.

(iii) An all India common merit list as well as State-wise merit list of the eligible candidates shall be prepared on the basis of the marks obtained in the 'National Eligibility Entrance Test' and the candidates, within the respective categories, shall be admitted to under-graduate course from the said merit lists only.

(iv) The seat matrix for admission in the Government, Government-aided Institutions and Private Institutions shall be fifteen percent for the all India quota and eighty-five percent for the States and Union territories quota.

रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 217] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 20, 2019/ज्येष्ठ 30, 1941
No. 217] NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 20, 2019/JYAISTHA 30, 1941

होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद्

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 जून, 2019

सं. 12–11/2010–के.हो.प (पार्ट–II)(1).—होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद् अधिनियम, 1973 (1973 का 59 वाँ) की धारा 20 के उप विनियम(1) के साथ पठित धारा 33 के खण्ड (झ) (ञ) (ट) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय होम्योपैथी परिषद्, केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी से, होम्योपैथी (स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम) एम.डी.(होम.) विनियम, 1989 में आगे संशोधन हेतु निम्न विनियम बनाती है, अर्थातः–

1. (i) इन विनियमों को होम्योपैथी (स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम) एम.डी.(होम.) संशोधन विनियम, 2019 कहा जाएगा ।

(ii) ये सरकारी राजपत्र प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे ।

(iii) ये विनियम उन छात्रों पर लागू होंगे जो कि एम.डी.(होम.) पाठ्यक्रम में शैक्षणिक सत्र 2019–2020 से प्रारंभ होने वाले सत्र में प्रवेशित होंगे।

2. होम्योपैथी (स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम) एम.डी.(होम.),1989 के विनियम 4 के उप–विनियम (2) में:–

(i) खण्ड (iv) में निम्न परन्तुक को जोड़ा जाएगा अर्थातः–

निजी मानित विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिये अखिल भारतीय सीट मैट्रिक्स कोटा सौ प्रतिशत होगा तथा जिन विश्वविद्यालयों व संस्थानों में पहले से ही अखिल भारतीय कोटा पन्द्रह प्रतिशत से ज्यादा है, वहाँ अखिल भारतीय सीट कोटा यथावत बना रहेगा।

(ii) खण्ड (v) हेतु निम्न खण्ड को प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थातः– "(v) पचासी प्रतिशत राज्य एवं संघ शासित प्रदेश के कोटे के लिए राज्य सरकार, विश्वविद्यालय, ट्रस्ट, सोसाइटी, अल्पसंख्यक संस्थान, निगम अथवा कंपनी द्वारा स्थापित संस्थानों सहित राज्यों और संघश्शासित प्रदेशों के सभी होम्योपैथी आयुर्विज्ञान संस्थानों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए परामर्श हेतु नामित प्राधिकारी संबंधित राज्य एवं संघशासित प्रदेश के नियमों तथा विनियमों के अनुसार, जैसा भी मामला, राज्य शासन अथवा संघ शासित प्रदेश होंगे।"

(iii) खण्ड (vi) हेतु निम्न को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थातः– "(vi) केन्द्रीय सरकार तथा किसी मानित विश्वविद्यालयों द्वारा स्थापित सभी होमियोपैथी संस्थानों में अखिल भारतीय कोटा के अंतर्गत सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के सीटों में प्रवेश हेतु परामर्श केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित प्राधिकारी द्वारा किया जाएगा ।

डॉ. कुमार विवेकानन्द, रजिस्ट्रार–सह–सचिव
[विज्ञापन-III/4/असा./99/19]

टिप्पणी:– मूल विनियमों को भारत के असाधारण राजपत्र, भाग–III खण्ड–4, में सं. 12–18/89–केहोप दिनांक 16 नवंबर, 1989 तथा अंतिम् अधिसूचना संख्या 12–11/2010–केहोप(पार्ट–II) (1) दिनांक 14 दिसंबर, 2018 द्वारा प्रकाशित किया गया था ।

(यदि होम्योपैथी (स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम) एम.डी.(होम.) संशोधन विनियम, 2019 के हिन्दी/अंग्रेजी संस्करण में कोई कमी पाई जाती है तो अंग्रेजी संस्करण को अंतिम माना जाएगा।)

CENTRAL COUNCIL OF HOMOEOPATHY

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th June, 2019

No. 12-11/2010-CCH(Pt.II)(1) .—In exercise of the powers conferred by clauses (i), (j) and (k) of sub-section (1) of section 33 read with and sub-section (1) of 20 of the Homoeopathy Central Council Act, 1973 (59 of 1973), the Central Council of Homoeopathy, with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following regulations further to amend the Homoeopathy (Post Graduate Degree Course) M.D.(Hom.) Regulations, 1989, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Homoeopathy (Post Graduate Degree Course) M.D.(Hom.) Amendment Regulations, 2019.
   (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
   (3) These regulations shall apply to students who shall be admitted for M.D.(Hom.) course from the commencement of the academic session (2019-2020).
2. In the Homoeopathy (Post Graduate Degree Course) M.D.(Hom.) Regulations, 1989, in regulation 4, in sub-regulation (2), —

   (i) in clause (iv), the following proviso shall be inserted, namely:- "Provided that the seat matrix for admission in any Deemed Universities shall be hundred percent for the all India quota and those Universities and Institutes which are already having more than fifteen percent all India quota seats, shall continue to maintain that quota.

   (ii) for clause (v), the following clause shall be substituted, namely:- "(v) The designated authority for counseling of eighty-five percent State and Union territory quota for admissions to post-graduate course in all Homoeopathic educational institutions in the States and Union territories including institutions established by the State Government, University, Trust, Society, Minority Institution, Corporation or Company shall be the respective State or Union Territory in accordance with the relevant rules and regulations of the concerned State or Union territory Government, as the case may be."

   (iii) for clause (vi), the following clause shall be substituted, namely:- "(vi) The counseling for all admission to postgraduate course for seats under the all India quota as well as for all Homoeopathy educational institutions established by the Central Government and any Deemed Universities shall be conducted by authority designated by the Central Government."

Dr. KUMAR VIVEKANAND, Registrar-Cum-Secy.
[ADVT. –III/4/.Exty./99/19]

Note : The Principal regulations were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-III, Section-4, *vide* number 12-18/89-CCH dated the 16th November, 1989 and were last amended *vide* notification number. 12-11/2010-CCH (Pt.II)(1) dated the 14th December, 2018.

(If any discrepancy is found between Hindi and English version of "Homoeopathy (Post Graduate Degree Course) M.D.(Hom.) Amendment Regulations, 2019", the English version will be treated as final)

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

MANOJ KUMAR VERMA Digitally signed by MANOJ KUMAR VERMA Date: 2019.06.20 19:52:56 +05'30'

रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 498] नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 17, 2018/अग्रहायण 26, 1940
No. 498] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 17, 2018/AGRAHAYANA 26, 1940

केन्द्रीय होम्योपैथी परिषद्

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर, 2018

सं. 12–11/2010–के हो प (पार्ट–II)(1).—केन्द्रीय होम्योपैथी परिषद्, होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद् अधिनियम, 1973 (1973 का 59वॉ) की धारा 33 के खण्ड (झ), (ञ) व (ट), धारा 20 की उप धारा (1) के साथ पठित प्रावधानों द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुमति से, होम्योपैथी (स्नात्कोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम), एम.डी. (होम) विनियम, 1989 में आगे संशोधन हेतु निम्न विनियम बनाती है अर्थात् :–

1 **(1) संक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारंभ**.–इन विनियमों का नाम होम्योपैथी (स्नात्कोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम), एम.डी. (होम) संशोधन विनियम, 2018 होगा ।

(2) ये भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. होम्योपैथी (स्नात्कोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम), एम.डी. (होम) विनियम, 1989 में, विनियम 4 में उप–विनियम (2) को निम्न उप–विनियम से प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थात् :–

"(2) (i) प्रत्येक शैक्षिक वर्ष में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु स्नातकोत्तर स्तर पर समस्त आयुर्विज्ञान संस्थानों के लिए एक सामूहिक प्रवेश परीक्षा अर्थात अखिल भारतीय आयुष स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा (ए.आई.ए.–पी.जी.ई.टी.) होगी तथा जिसे केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित प्राधिकारी द्वारा आयोजित कराया जाएगा;

परन्तु उक्त अखिल भारतीय आयुष स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा (ए.आई.ए.–पी.जी.ई.टी) विदेशी राष्ट्रीयता के अभ्यर्थियों के लिए लागू नहीं होगी।

(ii) किसी शैक्षिक वर्ष हेतु स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश की पात्रता हेतु अभ्यर्थी को उस शैक्षिक वर्ष के लिए आयोजित अखिल भारतीय आयुष स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा (ए.आई.ए.पी.जी.ई.टी.) में न्यूनतम अंक 50वॉ प्रतिशतक प्राप्त करना अनिवार्य होगा,

परन्तु निम्न के संबंध में–

(क) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछडा वर्ग के अभ्यर्थियों के मामले में न्यूनतम अंक 40वॉ प्रतिशतक होंगे,

(ख) दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 (2016 का 49) के अधीन विनिर्दिष्ट संदर्भित दिव्यांगजन (बेंचमार्क) रखने वाले अभ्यर्थियों के मामलें में सामान्य श्रेणी हेतु न्यूनतम अंक 45वॉ प्रतिशतक, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछडा वर्ग हेतु न्यूनतम अंक 40वॉ प्रतिशतक होंगे।

टिप्पणी : प्रतिशतक का निर्धारण अखिल भारतीय आयुष स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा (ए.आई.ए.–पी.जी.ई.टी.) में अखिल भारतीय सामूहिक योग्यता क्रम सूची में उच्चतम प्राप्तांकों के आधार पर किया जाएगा;

परन्तु आगे जब संबंधित श्रेणियों में उम्मीदवारों की उचित संख्या में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु किसी शैक्षिक वर्ष के लिए आयोजित किए गए अखिल भारतीय आयुष स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा (ए.आई.ए.–पी.जी.ई.टी.), जैसा कि ऊपर विनिर्दिष्ट है, में निर्धारित न्यूनतम अंक प्राप्त करने में असफल हो जाए तो केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय परिषद् के परामर्श कर अपने विवेक से संबंधित श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु अपेक्षित न्यूनतम अंको को कम कर सकती है तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा कम किए गए अंक मात्र उस शैक्षिक वर्ष हेतु लागू होंगे;

(iii) अखिल भारतीय आयुष स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा (ए.आई.ए.पी.जी.ई.टी.) में प्राप्त अंकों के आधार पर पात्र अभ्यर्थियों की एक अखिल भारतीय योग्यता क्रमसूची एवं राज्यवार योग्यता क्रमसूची तैयार की जाएगी तथा अभ्यर्थी जो कि संबंधित श्रेणियों के अन्तर्गत आते है, उनका प्रवेश स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रम में मात्र इन सूचियों से होगा।

(iv) शासकीय, शासकीय अनुदान प्राप्त संस्थानों तथा निजी संस्थानों में प्रवेश के लिए सीट मैट्रिक्स अखिल भारतीय कोटा पंद्रह प्रतिशत एवं राज्यों और संघशासित प्रदेशों के लिए पचासी प्रतिशत होगा।

(v) राज्य सरकार, विश्वविद्यालय, मानित विश्वविद्यालय, ट्रस्ट, सोसाइटी, अल्पसंख्यक संस्थान, निगम अथवा कंपनी द्वारा स्थापित संस्थानों सहित राज्यों और संघशासित प्रदेशो के सभी होम्योपैथी आयुर्विज्ञान संस्थानों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए परामर्श हेतु नामित प्राधिकारी, संबंधित राज्य एवं संघशासित प्रदेश के नियमों तथा विनियमों के अनुसार, जैसा भी मामला हो, राज्य शासन अथवा संघशासित प्रदेश होंगे।

(vi) अखिल भारतीय कोटे के सीटों के साथ साथ केन्द्र सरकार द्वारा स्थापित सभी होम्योपैथी संस्थानों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु परामर्श, केन्द्र सरकार द्वारा निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा आयोजित किया जायेगा।

(vii) अभ्यर्थी जोकि उपर्युक्त निर्दिष्ट न्यूनतम योग्यता अंक प्राप्त करने में विफल रहा हो, उसे उक्त शैक्षणिक वर्ष में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

(viii) इन विनियमों द्वारा प्रवेश के संबंध में निर्धारित मानदंड अथवा प्रक्रिया का उल्लंघन कर कोई भी प्राधिकारी अथवा संस्था किसी भी अभ्यर्थी को स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं देगा और उक्त मानदंड अथवा प्रक्रिया का उल्लंघन कर प्रवेशित अभ्यर्थी को केन्द्रीय परिषद् द्वारा अविलंब हटा दिया जायेगा।

(ix) किसी भी छात्र को उक्त मानदंड अथवा प्रक्रिया का उल्लंघन करके प्रवेश प्रदान करने वाले प्राधिकरण अथवा संस्था के विरूद्ध अधिनियम के प्रावधानों के अन्तर्गत कार्रवाई की जाएगी ।

डॉ. आशिस दत्ता, रजिस्ट्रार–सह–सचिव

[विज्ञापन–III/4/असा./419/18]

नोट : मूल विनियमों को भारत के असाधारण राजपत्र भाग–III, खण्ड 4 में संख्या 12–18/89–के.हो.प. के द्वारा दिनॉक 16 नवंबर, 1989 को प्रकाशित किया गया तथा तत्पश्चात निम्न संशोधन किए :–

1. 12–3/91–के.हो.प. दिनॉक 22 फरवरी, 1993;
2. 12–3/91–के.हो.प.(पार्ट) दिनॉक 05 नवंबर, 2001;
3. 12–2/2006–के.हो.प.(पार्ट) दिनॉक 05 मार्च, 2012 तथा
4. 12–11/2010–के.हो.प.(पार्ट) दिनॉक 28 मार्च, 2016;

CENTRAL COUNCIL OF HOMOEOPATHY

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th December, 2018

No. 12-11/2010-CCH(Pt.II)(1).—In exercise of the powers conferred by clauses (i), (j) and (k) of section 33 read with sub-section (1) of section 20 of the Homoeopathy Central Council Act, 1973 (59 of 1973), the Central Council of Homoeopathy, with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following regulations further to amend the Homoeopathy (Post Graduate Degree Course) M.D. (Hom.) Regulations, 1989 namely: -

1. **Short title and commencement. –**

(1) These regulations may be called the Homoeopathy (Post Graduate Degree Course) M.D.(Hom.) Amendment Regulations, 2018.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Homoeopathy (Post Graduate Degree Course) M.D. (Hom.) Regulations, 1989, in regulation 4, for sub-regulation (2), the following sub-regulation shall be substituted, namely:-

"(2) (i) There shall be a uniform entrance examination to all medical institutions at the postgraduate level namely, the All India AYUSH Post Graduate Entrance Test (AIA-PGET) in each academic year and shall be conducted by an authority designated by the Central Government:

Provided that the said All India AYUSH Post Graduate Entrance Test (AIA-PGET) shall not be applicable for foreign national's candidates.

(ii) In order to be eligible for admission to postgraduate course for an academic year, it shall be necessary for a candidate to obtain minimum of marks at 50th percentile in the 'All India AYUSH Post Graduate Entrance Test (AIA-PGET)' held for the said academic year:

Provided that in respect of-

(a) candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes, the minimum marks shall be at 40th percentile:

(b) candidates with benchmark disabilities specified under the Rights of Persons with Disabilities Act, 2016 (49 of 2016), the minimum marks shall be at 45th percentile for General Category and 40th percentile for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes.

Explanation. – The percentile shall be determined on the basis of highest marks secured in the all India common merit list in the All India AYUSH Post Graduate Entrance Test (AIA-PGET):

Provided further that when sufficient number of candidates in the respective categories fail to secure minimum marks in the All India AYUSH Post Graduate Entrance Test (AIA-PGET), as specified above, held for any academic year for admission to postgraduate courses, the Central Government in consultation with Central Council may at its discretion lower the minimum marks required for admission to postgraduate course for candidates belonging to respective categories and marks so lowered by the Central Government shall be applicable for that academic year only.

(iii) An all India common merit list as well as State-wise merit list of the eligible candidates shall be prepared on the basis of the marks obtained in the All India AYUSH Post Graduate Entrance Test (AIA-PGET) and the candidates, within the respective categories, shall be admitted to post graduate course from the said merit lists only.

(iv) The seat matrix for admission in the Government, Government-aided Institutions and Private Institutions shall be fifteen per cent. for the all India quota and eighty-five per cent. for the States and Union territories quota.

(v) The designated authority for counseling for all admissions to postgraduate course in all Homoeopathy educational institutions in the States and Union territories including institutions established by the States Government, University, Deemed University, Trust, Society, Minority Institution, Corporation or Company shall be the respective State or Union territory in accordance with the relevant rules and regulations of the concerned State or Union territory Government, as the case may be.

(vi) The counseling for all admissions to postgraduate course for seats under the all India quota as well as for all Homoeopathy educational institutions established by the Central Government shall be conducted by the authority designated by the Central Government.

(vii) No candidate who has failed to obtain the minimum eligibility marks as specified above shall be admitted to postgraduate course in the said academic year.

(viii) No authority or institution shall admit any candidate to the postgraduate course in contravention of the criteria or procedure as laid down by these regulations in respect of admissions and any candidate admitted in contravention of the said criteria or procedure shall be discharged by the Central Council forthwith.

(ix) The authority or institution which grants admission to any student in contravention of the aforesaid criteria or procedure shall be liable to face action in terms of the provisions of the Act.".

Dr. ASHIS DATTA, Registrar –Cum –Secy.

[ADVT.-III/4/Exty./419/18]

Note : The principal regulations were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-III, Section 4, vide No.12-18/89-CCH, dated the 16th November, 1989 and subsequently Amended vide:-

1. 12-3/91-CCH, dated the 22nd February, 1993;
2. 12-3/91-CCH(Pt.), dated the 5th November, 2001;
3. 12-2/2006-CCH(Pt.), dated 5th March, 2012; and
4. 12-11/2010-CCH(Pt.), dated the 28th March, 2016.